Page Three
Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

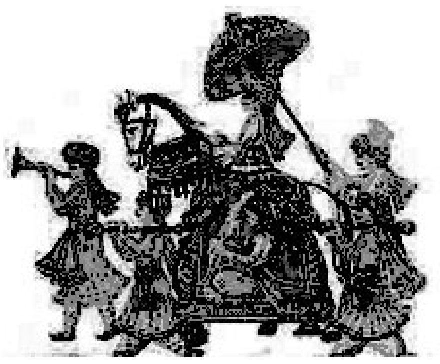

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

न्यायालय ने सरकार को दिये आवश्यक निर्देश

निर्देश

■ उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाएं स्थगित करने को हाईकोर्ट ने जनहित में दिए आवश्यक निर्देश

बोर्ड परीक्षा स्थगित करने को न्यायालय में जनहित याचिका

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड क्रान्ति दल के जिलाध्यक्ष विजय कुमार बौडाई ने कहा कि कोरोना वायरस कोविड 19 महामारी के बढ़ते प्रकोप के कारण उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाएं स्थगित करने को उच्च न्यायालय ने जनहित में आवश्यक निर्देश दिये है और महत्वपूर्ण बात कही कि सरकार पर यह आदेश इस बात के लिये बाध्यकारी नहीं होगा कि परीक्षा आयोजित करनी ही हैं।

यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि सरकार, राज्यपाल, शिक्षा मंत्री एवं शिक्षा सचिव इतने संवेदनशील मामले पर उचित ध्यान न देने के कारण आम बच्चों एवं उनके अभिभावकों की समस्या को उठाते हुए उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका कोरोना वायरस कोविड 19 के बढ़ते प्रकोप की वर्तमान गम्भीर स्थिति के कारण बोर्ड परीक्षा स्थगित करने हेतु दायर की है। उन्होंने कहा कि जनहित याचिका में उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि निःसन्देह कोरोना वायरस कोविड 19 का खतरा बहुत अधिक है जिसके लिये सरकार को सामाजिक दूरी बनाए रखने की सभी व्यवस्था सुनिश्चित के लिए कहा गया है तथा परीक्षा केंद्र के नजदीक तथा परीक्षा कक्ष में भी बच्चों के पास मॉस्क पहने होने चाहिए ताकि संक्रमण न फैले।

अनुरोध

सभी अभिभावकों से अनुरोध किया है कि बच्चों को सभी बातों को ऐहतियात बरतने तथा सामाजिक दूरी बनाए रखने का पूरा धयान रखने को कहे। उन्होंने कहा कि अब सरकार को ही उचित निर्णय लेना है और यदि परीक्षा स्थगित करती है तो यह एक कदम अच्छा होगा।

उन्होंने कहा कि याचिका में कोरोना वायरस कोविड 19 की भयावहता, आवागमन की असुविधा,बच्चों द्वारा सामाजिक दूरी न बना पाना आदि कई अहम बातों के साथ बच्चों के अभिवावकों के भयभीत होना का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि यद्यपि न्यायालय ने परीक्षा स्थगित करने की मांग को नकार दिया लेकिन महत्वपूर्ण बात कही कि कोई भी परीक्षा देने वाले छात्रों के अभिवावक इस मामले मे न्याय की मांग कर सकते है। इसके साथ ही न्यायालय ने एक और महत्वपूर्ण बात कही कि सरकार पर यह आदेश इस बात के लिये बाध्यकारी नहीं होगा कि परीक्षा आयोजित करनी ही हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा पूर्व संध्या तक भी सरकार परीक्षा कराने का उचित निर्णय ले सकती है। अब सरकार को पुनः कोरोना की स्थिति का आंकलन कर निर्णय लेना चाहिए। न्यायालय के आदेश का पूरा सम्मान है।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि यह याचिका गरीब लोग जो अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाते हैं उनकी तमाम समस्याओं के कारण दाखिल की थी क्योंकि बच्चे हमारा भविष्य हैं ,तथा उनका स्वास्थ्य और जीवन बहुत ही महत्वपूर्ण है। सरकार को इस दिशा में जल्द ही ठोस निर्णय लेने की आवश्यकता है।

न्यूज डायरी

अर्थव्यवस्था के लिए स्वरोजगार को बढ़ावा देने के प्रयास करने होंगेः नवीन वर्मा

संवाददाता हल्द्वानी। प्रान्तीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा ने कहा कि सरकार को अर्थव्यवस्था के लिए स्वरोजगार को बढ़ावा देने के प्रयास करने होंगे। जिसके माध्यम से देश के लाखों युवाओं को रोजगार से जोड़ते हुए देश की अर्थ व्यवस्था में सुधार ला सकते हैं। कृषि प्रधान देश के लिए गृह उद्योगों को विकसित करना होगा और उनके उत्पादों के विपणन की व्यवस्था भी करनी होगी। वर्मा ने कहा कि विगत कई वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय बाजार प्रणाली को प्रोत्साहित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के मूल आधार को भुला कर विदेशी निवेश के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय कम्पनियों को लुभाने के लिए स्वदेशी उत्पादों की बलि चढ़ा रहे हैं। देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कम्पनियों को लुभाने की नीति छोड़नी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि नोटबंदी के बाद भारत की जीडीपी लगातार गिरती रही।

किशोरी के अपहरण में चार भाईयों सहित छः पर मुकदमा

संवाददाता हरिद्वार। हरिद्वार 20 जून। चार दिन पूर्व किशोरी की अपहरण का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित परिवार की ओर से चार भाईयों को नामजद करते हुए दो अज्ञात के खिलाफ सिडकुल में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नवोदय नगर सिड़कुल हरिद्वार निवासी एक किशोरी 16 जून की रात को शौच के लिए गयी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने किशोरी की काफी तलाश की मगर कोई सफलता नहीं मिली। बताया जा रहा है कि शक होने पर किशोरी के पिता पास के ही झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले एक युवक के यहां पहुंचे।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

संवाददाता हरिद्वार। एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया और परिजनों को सूचित कर दिया। बताया जा रहा है कि मृतक देवबंद का रहने वाला था और रावली महदूद में रहता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार टीटू पुत्र ब्रह्म (25) निवासी देवबंद सहारनपुर यूपी हाल रावली महदूद सिडकुल बीती रात पार्टी में गया था, सुबह उसकी तबीयत बिगड़ने पर उसने कोई दवा ले ली। बताया जा रहा है जिसको खाते ही युवक की तबीयत बिगड़ गयी और उसको उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां पर उसको मृत घोषित कर दिया गया। चिकित्सकों ने शव को मोर्चरी में रखवाते हुए पुलिस को सूचित कर दिया।

चीन के विरोध में सड़कों पर उतरी रमाबाई अंबेडकर महासभा

संवाददाता हरिद्वार। लद्दाख में चीनी सेना द्वारा धोखे से हमला कर शहीद किए गए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए आज रमाबाई अंबेडकर महासभा ने भगत सिंह चौक पर मोमबत्ती जलाते हुए श्रद्धांजलि दी। वहीं चीन के खिलाफ नारेबाजी कर चीनी राष्ट्रपति जिंगपिंग के पोस्टर भी जलाए। महासभा ने चीनी समान के आयात पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष उमेश बॉस ने कहा कि जिस तरह चीन ने हमारे सैनिकों पर बेहद कायराना तरीके से हमला किया है उसकी जितनी निंदा की जाए वो कम है, अब हमें भी चीन को उसी की भाषा में जवाब देना चाहिए। महासभा के वरिष्ठ कार्यकर्ता विनोद आजाद ने कहा कि इस समय पूरा देश एकजुट है और चीन की इस घिनौनी हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है। केन्द्र ऐसा कानून बनाए, जिससे चीन से आयात होने वाले सामान पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जा सके।

संदिग्ध तथा क्वारंटाइन व्यक्तियों की गहनता से निगरानी एवं परीक्षण किया जाएः मुख्य सचिव

संवाददाता

■उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश

नैनीताल। कोरोना संक्रमण को जन समुदाय में फैलने से रोकने के लिए संदिग्ध तथा क्वारंटाइन व्यक्तियों की गहनता से निगरानी एवं परीक्षण किया जाये। यह निर्देश मुख्य सचिव उत्पल कुमार सिंह ने सभी जनपदों द्वारा कोरोना संक्रमण के प्रभावी रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु किए जा रहे कार्यों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये समीक्षा करते हुए दिए। उन्होंने सभी डीएम तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों को सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन करने वाले तथा मास्क न पहनने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही करने एवं नियमानुसार मुकदमा पंजीकृत करने के निर्देश दिये। उन्होंने 65 वर्ष से अधिक आयु के वृद्ध व्यक्तियों व 10 वर्ष से कम आयु के बालकों तथा गर्भवती महिलाओं को अनावश्यक बाहर न निकलने, जन समुदाय के बीच न जाने की सलाह दी। उन्होंने जिलाधिकारियों को कोविड–19 सम्बन्धी डाटा का स्वयं विश्लेषण करने, कोविड–19 संक्रमण की रोकथाम हेतु जनता को जागरूक करने, संक्रमण के फैलाव की संभावनाओं को चिह्नित करने, सभी कोरोना संक्रमण केसों को ट्रेस करने, संभावित कोरोना लक्षण वाले व्यक्तियों की शतप्रतिशत सैम्पलिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ट्रेकिंग मैनेजमेंट सिंस्टम को और अधिक प्रभावी बनाने के भी निर्देश जिलाधिकारियों को दिए। उन्होंने राज्य में कोरोना संक्रमण मृत्यु दर में कमी लाने के लिए पॉजिटिव व्यक्तियों का गहनता से स्वास्थ्य परीक्षण के साथ ही विशेष रूप से देखभाल करने एवं सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने बागेश्वर, पिथौरागढ़ तथा पौड़ी के जिलाधिकारियों को जनपद में कोरोना टैस्टिंग बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों एवं मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण से मृत्युदर में और अधिक कमी लाने के लिए प्रत्येक मृत्यु का लेखा–जोखा तैयार किया जाए।

ग्लेनमार्कओरल एंटीवायरल फेविपिरवीर के लिए रेग्यूलेटरी एप्रूवल प्राप्त करने वाली पहली फार्मास्युटिकल कंपनी बनी

संवाददाता देहरादून। भारत में कोविड–19 के रोगियों के लिए ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए, शोध–केंद्रित, एकीकृत वैश्विक दवा कंपनी, ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स, ने आज हल्के से लेकर मध्यम लक्षणों वाले कोविड–19 के रोगियों के उपचार के लिए एंटीवायरल ड्रग फेविपिरविर (ब्रांड नाम फेबीफ्लू) को लॉन्च करने की घोषणा की। ग्लेनमार्क ने भारत के ड्रग रेग्यूलेटर से मैन्यूफैक्चरिंग और मार्केटिंग के लिए मंजूरी हासिल की है, जिससे फेबीफ्लू भारत में कोविड–19 के इलाज के लिए पहली ओरल फेविपिरविर–अनुमोदित दवा बन गई है। फेविपिरवीर से मजबूत नैदानिक साक्ष्य मिले हैं, जो हल्के से लेकर मध्यम तक के लक्षणों वाले कोविड–19 रोगियों में उत्साहजनक परिणाम दर्शाता है। एंटीवायरल 20 से 90 वर्ष के बीच के लोगों में क्लिनिकल सुधार के साथ व्यापक स्पेक्ट्रम आरएनए वायरस कवरेज प्रदान करता है।